कबीर पाठ-1 (काव्य-खंड)

साखियाँ एवं सबद

प्रश्नोत्तर

प्र०-1-> 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?

उ०-> मानसरोवर से कवि का आशय है - मन रूपी पवित्र सरोवर या सरल शब्दों में कहें तो हृदय रूपी तालाब से है, जो हमारे मन में स्थित है।

प्र०-2-> कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

उ०-> कवि ने सच्चे प्रेमी की निम्न कसौटियाँ बताई हैं :-

(i) सच्चा प्रेमी अपने प्रेम अर्थात ईश्वर को भक्ति करते हुए पाना चाहता है।

(ii) ईश्वर प्राप्ति के रास्ते में सांसारिक मोह, माया, बंधन आदि बाधक नहीं बन पाते।

प्र०-3-> तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्व दिया है?

उ०-> तीसरे दोहे में कवि सांसारिकता और मोह

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

माया की बात करते हुए कहता है कि पृथ्वी पर मनुष्य के फिजूल की सुविधाओं और ऐश संसाधनों का संग्रह करता रहता है और ऐसा करते हुए वह अपनी जिंदगी गुजार देता है। यही सच्चा ज्ञान उसके जीवन को सार्थक बना सकता है।

प्र०-4> इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है?

उ०-> इस संसार में सच्चा संत वही है जो:-

(i) लोभ, मोह, माया आदि भावनाओं से मुक्त रहता है।

(ii) सांसारिकता से दूर रहकर प्रभु भक्ति में लीन रहता है।

(iii) वह उसके जीवन में घटने वाली सभी घटनाओं जैसे कि- सुख-दुःख, प्रेम-वियोग, आदि को एक समान रूप से स्वीकार करता है।

(iv) वह प्रभु की भक्ति दिखावे के लिए नहीं करता बल्कि सच्चे मन से करता है।

प्र०-5> अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने किस तरह की संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है?

उ०-> अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने निम्नलिखित संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है:

(i) मुसलमान अपनी पवित्र तीर्थस्थल काबा को मानते हैं जबकि हिंदू काशी को अपना पावन स्थल मानते हैं और फिर भी हमेशा धार्मिक मुद्दों पर एक दूसरे से झगड़ते रहते हैं जबकि ईश्वर एक ही है।

(ii) किसी भी मनुष्य के मात्र उच्च कुल में जन्म ले लेने से वह महान नहीं बन जाता, महान तो वह अपने कर्मों एवं गुणों से बनता है। मनुष्य के गुण उसकी महानता एवं विशिष्टता का निर्धारण करते हैं। अगर मनुष्य अच्छे कर्म करता है, उसका चाल-चलन ठीक है तो महान और समाज में सम्माननीय स्थान ग्रहण करता है लेकिन मात्र ऊँचे कुल में जन्म लेने से कोई महान अथवा सम्माननीय नहीं बन सकता।

प्र०-6> कभी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिये?

उ-> कुछ लोगों का मानना है कि अगर किसी व्यक्ति का जन्म अच्छे कुल में होता है तो वह व्यक्ति भी महान बन जाता है। जबकि यह सत्य नहीं है किसी भी व्यक्ति को महान बनने के लिए अच्छे कुल में जन्म लेना आवश्यक नहीं है बल्कि अच्छे कर्म करना आवश्यक है।

प्र०-7> कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

उ०-> सभी प्राणियों, मनुष्यों एवं इस सम्पूर्ण संसार एवं समाज की रचना ईश्वर ने की है और ईश्वर प्रत्येक प्राणी की साँसों में समाया हुआ है। पृथ्वी पर प्रत्येक प्राणी का अस्तित्व ईश्वर से ही है। इसी कारण से कवि ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस' में कहा है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera